

विवित्रादि॥ विवित्र रुद्रव कपुत्र ॥ गवसाहन पु० वरवि व्याव धविस्वान समराग ॥
 गजिह्वारक ॥ गजिता १ पु० विमवस धात्रेश्वारा कमवाम धविस्वान विमून व्या
 व आयय सधु वरवी विवित्रता १ समराग ॥ ॥ रुद्रासुत्र ॥ ० मूनपु १ सायसाक
 पु १ ॥ गसाहन पु १ विवित्रता १ रुद्रक जि पु० जित्र मवव मि न हिं मे उ व ज वि सधु
 ता १ ॥ ॥ हिं गतकयाव ॥ हिं ता १ शि क पु अऊमो सधु जित्र रुद्रक जि ता १
 समराग ॥ ॥ इवृदा ॥ नाविमता १ विविता १ मववता १ विवित्रता १ विपेवाः

मृता २ पु० ता ३ रुद्र व ता ३ नवात्तावर्म ३ नय कषा वर्म ३ यातकर्म ३ यात्राम ३ जिनर्म
 ३ कषावहाम ३ साकृष्ट ३ ॥ अग्निमुखपावक ॥ छिकु ता १ वन व रुद्र व खात्रा
 सानि ०० मून जिन व ता ३ जिन व ता ३ वन वि स धु वि सा वा ता रुद्र वि सा रु वि स्व
 दि वि ६ ॥ गात्र सा रुद्र वि न क रुद्र अ रुद्रा द ता १ हिर्म ३ ॥ ॥ न वा गादि ॥ न ३
 वा द म ३ म न व पि पि वि पु० क रुद्रा स म रुद्रा स व रुद्र रुद्र ३ क म्या न यातक न
 वात्ताव नय कषा व तं शा वा व न रुद्र व रुद्र व आ व न अ नित य स म ३ ॥

पितृजात्रया ॥ छि रुद्रा म ३ जिन पि पि न रुद्र जिन क रुद्र नय कषा व न वा द छि यं यु ता
 नि स रुद्र क म्या न यातक न वात्ताव तं शा वा व न आ व स ता १ साख ता १ ॥ ॥ व न वा न
 वृक्ष पावक ॥ म न व ता १ पि पि न पु० जिन रुद्र क जिन ०० म गात्रा व गात्रा रुद्र
 क रुद्र वि न क का गिरा गा स धु व न वि सा वा रुद्र ता १ हिर्म ४ ॥
 साख न रुद्रा ॥ तालि स ता १ व न क छि रुद्र वा न खात्रा अ नित य स ता १ ताल म ३
 ग रुद्र पि पि न म ३ ०० मून गात्रा साक वि द स यू य रुद्रा स न सि पि नय कषा व म

लिखान्ति जिन (ग) वशाहन जिनहान ववाह मं ३ यावा ता १ यातकता १ नावाला
 वता १ साखवष ३ ॥ ॥ साखवष ३ ॥ यावाता १ ववालाव मनव, यियिन शु ०
 वूकडा रुवन वहनन जावनता १ साखवष २ ॥ ॥ सर्वडाषधि मि १ ता १ कूरया
 थकं कुम १ ० नाशक वायखान कविहनन वहाता १ ॥ ॥ सिधनादि वा
 वयावकन ॥ वसाजनता १ सिद्ध लिनाथति मथ शुगुनता १ यु १ इयीवक ॥ ॥
 १ (ग) यष ६ ॥ ववालावता १ यावापाग वूयधेशान मूक शु ० यियिन जिरान